



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 101]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 19, 1991/माघ 30, 1912

No. 101] NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 19, 1991/MAGHA 30, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1991

का.भा. 110(अ).—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 6 के उपनियम (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (कंपनी कार्य विभाग) की अधिसूचना संख्या 79(अ) तारीख 3 मार्च, 1986 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम संख्यांक 50 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात्:—

| क्रम सं. | उद्योग का नाम | विरुद्ध बंद वर्णन के अन्तर्गत विनिर्माण के लिए अनुज्ञान मर्दे |
|----------|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 51. | पूर्णतः या भागतः जूट से जिसमें जूट, धुतली और रस्सी है से बनी टैक्सटाइल्स (जिसमें वह भी है जो रजिन, छपी हुई या अन्यथा प्रसंस्कृत की गई हों)। | बोरा, हैसियन, जूट सुतली और जूट रस्सी जैसी परम्परागत जूट पैकेजिंग सामग्री को छोड़कर जूट, जूट मिश्रित सूत, जूट मिश्रित सजावटी फैब्रिक, बरतों के लिए जूट आधारित फैब्रिक, जूट पैडसन, जूट कालीन, जूट कम्बल और जूट तमबा जैसे जूट उत्पादों के विनिर्माण के लिए सभी फाइबरों का उपयोग बाहे वे प्राकृतिक, मानव निर्मित या अपारंपरिक हों, अर्थात्:— कपास, ऊन, संश्लिष्ट, सन, रैमी, अनन्नास पत्ती और इन फाइबरों से बने अन्य फाइबर और सूत। |

| 1 | 2 | 3 |
|--|---|--|
| 52. टैक्सराइल्स (जिसमें वह भी है जो रंजित, छपी हुई या अन्यथा प्रसंस्कृत की गई हों):— | | बोरा, हैसियन, जूट सूतली और जूट रस्सी जैसी परंपरागत जूट पैकेजिंग सामग्री को छोड़कर जूट, जूट मिश्रित मजावटी फैब्रिक, बस्त्रों के लिए जूट जूट, आघारित फैब्रिक, जूट पटसन, जूट कालीम, जूट कंबल और जूट नमूना जैसे जूट उत्पादों के विनिर्माण के लिए जूट फाइबरों और अपरांपरिक फाइबरों अर्थात्, सन, रेमी, अनशास पत्ती आदि और इन फाइबरों से बने सूत का उपयोग।" |
| (i) पूर्णतः या भागतः कपास से बनी जिसमें सूती सूत, होजियरी और रस्सी हैं; | | |
| (ii) पूर्णतः या भागतः ऊन से बनी जिसमें दीर्घ ऊन, ऊनी सूत, होजियरी, कालीन और मीटा ऊनी बस्त्र हैं; | | |
| (iii) पूर्णतः या भागतः मानव निर्मित कृत्रिम संश्लिष्ट फाइबर से बनी (जिसमें ऐसे फाइबर का सूत और हाजियरी है) । | | |

[संख्या: 5/25/89-एम]

एस.बी. सिंह, उप सचिव

टिप्पण: मूल अधिसूचना संख्या 79(अ) भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में तारीख 3-3-1986 को प्रकाशित की गई थी जिसमें निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा पश्चात्पूर्वी संशोधन किए गए:—

| | |
|---------------------|------------------|
| (i) का.आ. 918(अ) | तारीख 16-12-86 |
| (ii) का.आ. 299(अ) | तारीख 2-4-1987 |
| (iii) का.आ. 1005(अ) | तारीख 1-11-1988 |
| (iv) का.आ. 1203(अ) | तारीख 27-12-1988 |
| (v) का.आ. 139(अ) | तारीख 2-2-1989 |
| (vi) का.आ. 490(अ) | तारीख 28-6-1989 |
| (vii) का.आ. 746(अ) | तारीख 19-9-1989 |
| (viii) का.आ. 830(अ) | तारीख 19-10-1989 |
| (ix) का.आ. 229(अ) | तारीख 16-03-1990 |

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th February, 1991

S.O. 110(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (3) of rule 6 of the Monopolies and restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby makes the following amendments to the Notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Company Affairs) No. 79 (E), dated the 3rd March, 1986, namely:—

In the Schedule to the said Notification, after serial number 50 and the entries relating thereto, the following serial numbers and the entries shall be added, namely :—

| S.No. | Name of the Industry | Items permitted for manufacture under broad banded description |
|-------|---|--|
| 1 | 2 | 3 |
| "51. | Textiles (including those dyed, printed or otherwise processed) made wholly or in part of jute, including jute, twine and rope. | Utilisation of all fibres whether natural, man-made or non-conventional, namely, cotton, wool, synthetic, flax, ramie, pineapples leaves and other fibres and yarn made of those fibres for manufacture of jute products such as jute, jute blended yarn, jute, jute blended decorative fabrics, jute based fabrics for garments, jute laminates, jute carpets, jute blankets and jute felt except for traditional jute packaging materials like sacking, hessian, jute twine and jute rope. |

| 1 | 2 | 3 |
|-----|---|---|
| 52. | Textiles (including those dyed, printed or otherwise processed):— (i) made wholly or in part of cotton, including cotton yarn, hosiery and rope; (ii) made wholly or in part of wool, including wool tops, woollen yarn, hosiery, carpets and druggets; (iii) made wholly or in part of synthetic artificial (man made fibre, including yarn and hosiery of such fibres. | Utilisation of jute fibres and non-conventional fibres, namely, flax, ramie, pineapple leaves etc, and yarn made of these fibres for the manufacture of jute products such as jutes, jute blended decorative fabrics, jute based fabric for garments, jute laminates, jute carpets, jute blankets and jute felt except for traditional jute packaging materials like sacking, hessian, jute twine and jute rope." |

[No. 5/25/89 M.I.]

S.B. SINGH, Dy. Secy.

NOTE: The principal Notification No. 79(E) was published in Part-II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India Extraordinary on 3-3-1986, as subsequently amended by Notification Nos.:-

- (i) S.O. 918 (E) dated 16-12-1986
- (ii) S.O. 299 (E) dated 2-4-1987
- (iii) S.O. 1005 (E) dated 1-11-1988
- (iv) S.O. 1203 (E) dated 27-12-1988
- (v) S.O. 139 (E) dated 2-2-1989
- (vi) S.O. 490 (E) dated 28-6-1989
- (vii) S.O. 746 (E) dated 19-9-1989
- (viii) S.O. 830 (E) dated 19-10-1989
- (ix) S.O. 229 (E) dated 16-3-1990

